

सुविधा

मुस्कान पाने वाला मालामाल हो
जाता है पर देने वाला दरिद्र नहीं
होता।

प्रभातमन्त्र



शुक्रवार

24.03.2023

RNI No. - JAHIN/2014/59110

तजा खबरों के लिए टेली

prabhatmantra.com

पृष्ठ 12 | मूल्य 3 रुपये

पोस्टल रजिस्ट्रेशन : आरएन /257/2021-23

असर्फी हॉस्पीटल
आपका आपना सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल

केंसर रोग विभाग
धनबाद में पहली बार
Full Time
Medical Oncologist
उपलब्ध

Dr Parag Roy
MD, DrNB
(Medical Oncology)

दिन: सोमवार से शनिवार
समय: सुबह 10AM से 4PM
09297970030

रोजा का समय

इतार (24/03/23) 06:03

सेहरी (25/03/23) 04:26

Sreeleathers
66 K ROAD, BISTUPUR

रांची का तापमान

अधिकतम 26°
न्यूनतम 12°

चंद्रघटा

पिण्डज प्रवालङ्घा चण्डकोपाल्कर्युता।
प्रसाद तबुते गढ़व चंद्रघटा विश्वता।प्रधानमंत्री
राज्य सरकार
गोविन्द पाटेल

प्रधानमंत्री

राज्य सरकार

गोविन्द पाटेल

मंत्री



एनके प्रबंधन के खिलाफ आक्रोश में रैयत विस्थापित मोर्चा एनके एरिया के परियोजनाओं में दिये गए मांग पत्र पर प्रबंधन की कोई पहल नहीं

प्रभात मंत्र संवाददाता

खलारी : रैयत विस्थापित मोर्चा का बैठक डकर में किया गया। बैठक की अध्यक्षता एरिया अध्यक्ष बिगन सिंह भोगता व संचालन राम लखन गंगा ने किया। बैठक में रैयत विस्थापितों को समस्याओं को लेकर चर्चा की गई। इस चर्चा में सभी शाखा के पदाधिकारियों ने समस्या को खबरे हुए कहा कि प्रबंधन को सभी परियोजना में मोर्चे के द्वारा मांग पत्र दिया गया। प्रबंधन के द्वारा समाधान करने का आशासन दिया गया था लेकिन अभी तक



प्रबंधन के द्वारा कोई पहल होता नहीं होता दिख रहा है। जिससे रैयत विस्थापितों में आक्रोश व्याप है प्रबंधन के उदासीन रैयत के कारण कोई भी रैयत प्रबंधन को खदान विस्तारीकरण में जमीन नहीं देने का निर्णय लिया।

बैठक में मोर्चा के सभी शाखा के मजबूती प्रदान करने के लिए प्रभारी बनाये गए हैं जिनमें रोहिणी परियोजना के लिए शिवनारायण महतो, रोहिणी करकड़ा और सीपी के लिए रामलखन गंगा, शिवनारायण महतो, रोहिणी परियोजना के लिए शिवनारायण महतो, रोहिणी शिवनारायण लोहरा, प्रकाश महतो, डकरा परियोजना में रामलखन गंगा, प्रभारी गंगा, शिवनारायण लोहरा, प्रकाश महतो, रोहिणी शिवनारायण लोहरा, बासदेव ठाकुर जो बनाया गया है।

गुरु, केंटीप्रियोजना में रंथू ऊरंव, विनय खलखो, समधारी गंगा, सीनील यादव, उपरानीही परियोजना में रंथू ऊरंव, नरेश गंगा, प्रभारी गंगा, जगनाथ महतो, अमृत भोगता, प्रकाश महतो, डकरा परियोजना में रामलखन गंगा, प्रभारी गंगा, शिवनारायण लोहरा, प्रकाश महतो, रोहिणी करकड़ा और सीपी के लिए रामलखन गंगा, शिवनारायण लोहरा, नरेश गंगा, रामधारी गंगा, प्रेम

मैकलुरकीगंज थाना प्रभारी का सराहनीय कार्य घायल बच्चे को उठाकर हॉस्पिटल पहुंचाया

प्रभात मंत्र संवाददाता

खलारी : मैकलुरकीगंज थाना क्षेत्र के हेमालोग बस्ती में (मैकलुरकीगंज बालूमाय मुख्य मार्ग) पर अचानक से पांच वर्ष का बालक घर से रोड पर ढौंका गया। जो कि सड़क करने के दौरान बाइक से टकरा गया। बाइक से टकराने से छोटा बच्चा घायल हो गया। जानकारी के अनुसार हेमालोग गांव में रोड किनारे घर से एक बच्चा अचानक से ढौंका कर सड़क पार करने लगा। उस दौरान एक बाइक



चालक किसी कार्य से उसी सड़क से अपने कार्य करने जा रहा था। उन्हें मैं ही बाइक से बच्चा ढौंका गया। उसी समय थाना प्रभारी गया।

मोहन नगर पूजा समिति ने मुकु शर्मा को सम्मानित किया

प्रभात मंत्र संवाददाता

खलारी : राजस्थान के बीकानेर में वर्लंड ह्यूमेनटी अबाउ पक कर मोहन नगर वापस लौटने के बाद मोहन पूजा समिति के द्वारा मुत्तु शर्मा को माला पहनाकर शॉल देकर सम्मानित किया गया। मोहन नगर पूजा समिति के अध्यक्ष सह एक कहा कि एरिया अध्यक्ष कृष्ण चौहान ने कहा कि एस के पूर्ण विधि विधान से पूजा अर्चान के बाद विधान अखाड़े धारीओं एवम भक्तो के लिए चना, पानी, चिकित्सा सुविधा के अलावे जो अखाड़े धारी उक्तप्रदर्शन करेंगे उन्हें पुस्कर देकर सम्मानित किया जायेगा। इस बैठक में मुख्य रूप से बिगन महतो, रासेश्वर नाथ मिश्र, मनेस महतो, गंगदीश नायक, बृजेश सिंह, संजय साह, देवी शंकर, सुमित महतो इत्यादि उपस्थित थे। दूसरी ओर मंगलवार को संचया 6 बजे शिव सैनिकों द्वारा मंगलवारी जुलूम गांजे बाजे के साथ टारीसिल्वे चौक से सूर्यमंदिर आदर्श नगर से वापस दुर्गा मंदिर तक निकाला गया। इसका नेतृत्व राजा, मोहित भट्ट, राजेश मिश्र के द्वारा किया गया।



नगर के लिए यह बहुत ही गर्व की बात है। मोहन नगर में जम्म लेकर पले बढ़े मुकु शर्मा ने मोहन नगर

महावीर मंडल की बैठक संपन्न

नामक्रम (प्रभात मंत्र संवाददाता) : महावीर मंडल कि बैठक ई ई एफ मंदिर मैदान में बुलाई गई। बैठक कि अध्यक्षता बिगन महतो ने कि। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वर्ष कि भाँति इस वर्ष भी रामनवमी धूमधार से मनाना है। रामनवमी के दिन पूरे विधि विधान से पूजा अर्चान के बाद विधान अखाड़े धारीओं एवम भक्तो के लिए चना, पानी, चिकित्सा सुविधा के अलावे जो अखाड़े धारी उक्तप्रदर्शन करेंगे उन्हें पुस्कर देकर सम्मानित किया जायेगा। इस बैठक में मुख्य रूप से बिगन महतो, रासेश्वर नाथ मिश्र, मनेस महतो, गंगदीश नायक, बृजेश सिंह, संजय साह, देवी शंकर, सुमित महतो इत्यादि उपस्थित थे। दूसरी ओर मंगलवार को संचया 6 बजे शिव सैनिकों द्वारा मंगलवारी जुलूम गांजे बाजे के साथ टारीसिल्वे चौक से सूर्यमंदिर आदर्श नगर से वापस दुर्गा मंदिर तक निकाला गया। इसका नेतृत्व राजा, मोहित भट्ट, राजेश मिश्र के द्वारा किया गया।



सभव है, बस इसकी पहचान कि ज़स्तर है। थार्डैड, जी पी, सुगर, टी बी इत्यादि रोगों का इलाज कर नियंत्रित या खत्म किया जा सकता है। इस शिविर में मुख्य रूप से अजय कुमार, कृष्ण कुमार, जिंदेंद्र चतुरेंद्री, राजेश साह, उद्धवंद महतो, अर्जन राम, धनेश्वर महतो, विशाल कुमार, कोमलिना लकड़ा इत्यादि के अलावे आस पास के मरिजों ने अपना उपचार तथा परामर्श निःशुल्क में प्राप्त किए।

प्रकृति महापर्व सहरुल पूर्व संघ्या संपन्न

खंडी (प्रभात मंत्र संवाददाता) : खंडी के दुलवाल में ब्रह्मस्तिवार को सहरुल पूर्व संघ्या आयोजित की गई। इससे पहले अखड़े में पहानों की अगुवाई दो दो बड़ों में सगुन जल रखा गया है जिसका दूसरे अवलोकन कर अतिवृष्टि-अनावृष्टि का अनुमान लगाया जाएगा। इस अवसर पर धर्म अगुवा सनिका मुंडा ने कहा कि सहरुल महतो एक वर्ष नहीं है बल्कि यह प्रकृति संरक्षण, मानव कल्याण, प्रेम और भाईचारा बढ़ाने का अवसर है। समाज में ऊँच-नीच जैसे भेद-भाव से अपर उत्तर भाई-चारों के साथ रखने का संकल्प लेना चाहिए। जिस प्रकार की सुधारे सुधारे पक्षों को साथ त्याकर नहीं पते एवं फूलों से अवसर कर तक है। उसी तरह हमें भी पुराने अनुसार सुधार, स्मृति, आपसी भेद-भाव, इंस्ट्रॉ-द्वेष एवं नाकरात्कर विचारों को त्याकर समाज में सुधार, शार्ति, खूबालो, दया, सेवा, भाई-चारा तथा अच्छायों का संचार करना चाहिए। इससे मानव जीवन में सदा सुख, शार्ति और खूबाल बनी रही। खंडी के आस-पास के अनेक गांवों के साथ सदा धर्म सोनो-

समिति डैगड़ा, जिलहाट, बंदगांव, कोचांग, बिरंबंगी, अरहरा, सोंगा, कामडा, खूजूदाम, कोलावाल, विरेबुर, बालों-आदि में भी सहरुल मनाया जा रहा है। इस अवसर पर नई डोड्यार, स्निंग-सोय, सोमा मुड़ा, सुधा मुड़ा, मुशरा कंडर, नारायण ऊरंव, सुधारा गांवी, लक्षण तिक्की, बिरसा पुर्ती, सुखराम पहान, सोमा पहान, विश्राम टुटी, सुगना पहान आदि गणमान लाय शामिल हुए।

PR293505 (Rural Work Department)22-23*D

प्रभात मंत्र संवाददाता

खलारी : रैयत विस्थापित मोर्चा का बैठक डकर में किया गया। बैठक की अध्यक्षता एरिया अध्यक्ष बिगन सिंह भोगता व संचालन राम लखन गंगा ने किया। बैठक में रैयत विस्थापितों को समस्याओं को लेकर चर्चा की गई। इस चर्चा में सभी शाखा के पदाधिकारियों ने समस्या को खबरे हुए कहा कि प्रबंधन को सभी परियोजना में मोर्चे के द्वारा मांग पत्र दिया गया। प्रबंधन के द्वारा समाधान करने का आशासन दिया गया था लेकिन अभी तक

प्रभात मंत्र संवाददाता

खलारी : रैयत विस्थापित मोर्चा का बैठक डकर में किया गया। बैठक की अध्यक्षता एरिया अध्यक्ष बिगन सिंह भोगता व संचालन राम लखन गंगा ने किया। बैठक में रैयत विस्थापितों को समस्याओं को लेकर चर्चा की गई। इस चर्चा में सभी शाखा के पदाधिकारियों ने समस्या को खबरे हुए कहा कि प्रबंधन को सभी परियोजना में मोर्चे के द्वारा मांग पत्र दिया गया। प्रबंधन के द्वारा समाधान करने का आशासन दिया गया था लेकिन अभी तक

प्रभात मंत्र संवाददाता

खलारी : रैयत विस्थापित मोर्चा का बैठक डकर में किया गया। बैठक की अध्यक्षता एरिया अध्यक्ष बिगन सिंह भोगता व संचालन राम लखन गंगा ने किया। बैठक में रैयत विस्थापितों को समस्याओं को लेकर चर्चा की गई। इस चर्चा में सभी शाखा के पदाधिकारियों ने समस्या को खबरे हुए कहा कि प्रबंधन को सभी परियोजना में मोर्चे के द्वारा मांग पत्र दिया गया। प्रबंधन के द्वारा समाधान करने का आशासन दिया गया था लेकिन अभी तक

प्रभात मंत्र संवाददाता

खलारी : रैयत विस्थापित मोर्चा का बैठक डकर में किया गया। बैठक की अध्यक्षता एरिया अध्यक्ष बिगन सिंह भोगता व संचालन राम लखन गंगा ने किया। बैठक में रैयत विस्थापितों को समस्याओं को लेकर चर्चा की गई। इस चर्चा में सभी शाखा के पदाधिकारियों ने समस्या को खबरे हुए कहा कि प्रबंधन को सभी परियोजना में मोर्चे के द्वारा मांग पत्र दिया गया। प्रबंधन के द्वारा समाधान करने का आशासन दिया गया था लेकिन अभी तक

</

संपादकीय

बजट का शुद्धिकरण

यह मजमून महज गिले-शिकवे के नहीं, बल्कि हिमाचल की अर्थव्यवस्था की चिंताएं हैं और होनी भी चाहिए। सुखबूँ कार के बजट पर आस्तीन चढ़ाकर विपक्ष जो पूछ रहा है, उसका लोकतात्रिक त्वं तो समझ आता है, मगर तोहमतों के सौदे पर सत्ता का विश्लेषण केवल तरफा आलोचना भी तो नहीं। हिमाचल की राजनीति में समाज की व्याख्या का निर्मम चित्रण यह भी है कि चाहे सत्ता हो या विपक्ष, चुनावी हार-जीत के पहरों द्वेदार चुने जाते रहे हैं। यानी बजट की उम्मीदों में राज्य कम सोचता है, जबकि विनाशित इतना सोच लेती है कि समाज को बरखुरदार कैसे बनाया जाए। विडंबना है कि बजट की उधेड़बुन में विपक्ष का राग सिर्फ यह है कि कांग्रेस की गारंटीयों करतना झूठ व कितना फरेब रहा, जबकि होना यह चाहिए कि आय के सीमित में राज्य की आर्थिक जद्दोजहद में कहां फिजूलखर्ची हो रही है। उदाहरण के लिए हिमाचल के कुल 23 सार्वजनिक उक्तमों में 13 अगर 4902 करोड़ का घाटा रुपये के हैं तो ऐसों आर्थिक अस्थियों को ढोने से कैसे निजात पाई जा सकती है।

बोधेश सरकारें तो पारियां खेलती
राजनीतिक नफे-नुकसान की
भाषा में सियासी लाभार्थी दुन कर
नए संस्करण में पारंगत हो जाती
मगर जनता के लिए यहीं सबव
की दुनावी फेहरिस्त बन कर रह
ता है। वह तो अपने गांव में कभी
तक के गङ्गों में मृग छिपाती है, तो
यी खेत के विराम में शरारती बदरों
उत्पात देखती है। ऐसे में क्या
जन की बहस वास्तव में जनता की
वाज बन रही है या विपक्ष को
ल यहीं रंज रहेगा कि कांग्रेस ने
टियां बताकर सत्ता का धन लूट
या। क्या हिमाचल की जनता मूर्ख
हो रह बार सरकारों की अदला-
ली कर देती है और बाद में
कार बनने पर बदला-बदली शुरू
जाती है।

जपा की सत्ता से उस समय भी हतप्रभ थी, जब बिना किसी मांग के महिलाओं एवं चारटीसी की बसों में आधा किराया देने की घोषणा कर दी थी। क्या ये प्रदर्शन वासी धूस नहीं हां समाज को इतना कमज़ोर नहीं कर रहा कि वह प्रदेश की अर्थक चिंताओं के बावजूद अपनी औकात को हार रहा है। किसी भी नागरिक ने ऐसों नहीं कहा था कि डेढ़ सौ यूनिट तक बिजली आपूर्ति को मुफ्त कर दिया जाए तब ह कौनसी प्रतिस्पर्धा जो भाजपा के डेढ़ सौ यूनिट के मुकाबले तीन सौ यूनिट विजली देकर कांग्रेस सरकार की उदारता से प्रदेश के खजाने का भला करेगी। यही और जनता यह जरूर चाहेगी कि घर में लगा बल्ब जलने की गारंटी मिले। अगर हैरान हैं सरकारों का बजट आम नागरिक के बजट से अधिक होता है। अगर नागरिक भी सरकार की तरह बजट बनाने की गारंटी कोई भी सरकार दे दे, तो यकीन मानें यह स्थायी हो जाएगी, लेकिन तब न जबाबदेही बचेगी और न ही कोई सवाल रहेगा। इसलिए जब सरकारें छाता उठा कर मुफ्त में बांट रही होती हैं, तो कहीं न तकश किसान का हल चीख रहा होता है। छाता उठाती सरकारों के अंकगणित की स्वायत्ता वे बेरोजगार पीढ़ी तब दुआ देती होगी या अपनी पढाई पर शर्मिदा होती होगी। मान लेते हैं कि लोकतंत्र अब विपक्ष और सत्ता का आमना-सामना है, लेकिन नागरिक से भिन्न सियासी पीडियां क्या ईमानदारी से गुपता कर रही हैं। लों की बाढ़ में सदन का चरित्र आखिर बचाव किसका कर रहा। क्या विपक्षी मतों के बीच बजटीय भाषण कुछात हो जाएगा या आंकड़ों के दस्तूर में सत्ता नागरिक देनदारी में राज्य के कंगाल बनाती रहेगी। अहम और वहम के बीच नीति तो हो सकती है, लेकिन तरक्की के मुकाम पर आम हिमाचली के लिए उके वे हिस्से कामयाब हो सकते हैं, जहां कर्ज पर सार्थक बहस हो या सरकार आकार को कम करते हुए फिजूलखर्चियों पर अंकुश लगे। क्यों नहीं आम नागरिक यह उम्मीद करे कि एक दिन सरकारें अर्थक वास्तविकताओं के यथार्थ में कड़े फैसले लेने का साहस दिखाएंगी। आखिर राज्य की आय बढ़ाने के लिए यही नागरिकों को शराब ही तो पिलानी पड़ रही है। ऐसे में क्या हम शराबियों का बाद करेंगे जहर के धूंपीकर इस बार बजट का राजस्व चालीस प्रतिशत दिया या यह सोचें कि मुफ्त की बिजली या सरकार की फिजूलखर्ची में अपने सौगातें न ढूँढ़े। जो हिमाचल सुरक्षित यात्रा के लिए निजी बोल्डो बसों को आमान दे रहा है या कांगड़ा एयरपोर्ट को व्यस्त बना रहा है, क्या उसे पचास दो महिला किराए की छूट से एचआरटीसी का बेड़ा गर्कं करना ही होगा।

ଫୁଲ ଅଲଗ

किसाना के अच्छे दिन

किसानों का नहान पराया जा हुआ और कानून प्रवाल नका एवं द्रोतार के साथ बातचीत भी हुई, लेकिन नतीजा 'शून्य' रहा। किसानों की उम्मीद थी 'शून्य' बताई जा रही है। वीती जुलाई में जो कमटी गठित की गई थी, उसकी बैठक भी संयोगवश बुलाई गई थी। फिलहाल कमटी ने 18 राज्यों से पूछा है कि किसानों की स्थिति क्या है? 19 विश्वविद्यालयों से सुझाव मांग है कि किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) कैसे तय किया जा सकता है, जो उसे लाभकारी साबित हो? एमएसपी को कानूनी दर्जा देने पर अभी तक न तो विमर्श किया गया है और न ही यह कमटी के एंडेंडे में शामिल है। अलबत्ता निषिक्य कमटी ने आश्वस्त किया है कि जून, 2023 में एक रपट भारत सरकार को सौंप दी जाएगी। राजधानी दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में 32 संगठनों के हजारों किसान जुटे, महापंचायत का नाम दिया गया। कृषि मंत्री नरेंद्र तोमर, जो खुद छोटे किसान भी है, से 15 किसानों के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात और बातचीत की। यह संवाद 22 जनवरी, 2021 के बाद संभव हुआ है। भारत सरकार और

परियोजनाएं कितनी कारगर हैं, यह इस बात से पता चलत है कि ह जारी गांवों में आज भी लोगों को कई किलोमीटर से पीने का पानी लाना पड़ता है।

૧

सुप्राम काट न फासा क विकल्प पर कद्र स मागा डाटा

गुनहगारों की फांसी अंतिम सजा देने के लिए विकल्प के तौर पर केंद्र से जवाब मांगा संकेत दिया गए है। इस बात पर विचार सजा में दर्द रहित कोई विकल्प अपनाया को सरलतापूर्वक सजा दी जा सकती न्यायमूर्ति डॉवाई चंद्रचूड़ ने अपने वेकटमी से कहा कि हम विभिन्न तरीफों पर अध्ययन दे कि फांसी के किया जाए। दुनिया ने 97 देशों में मौजूद अलग अलग दशों में जहाँ गैनहगारों को

गुनहगारों की फांसी अंतिम सजा देने के लिए विकल्प के तौर पर केंद्र से जवाब मांगा संकेत दिया गया है। इस बात पर विचार सजा में दर्द रहित कोई विकल्प अपनाया को सरलतापूर्वक सजा दी जा सकती न्यायमूर्ति डॉवाई चंद्रचूड़ ने अपने वेकटमी से कहा कि हम विभिन्न तरीफों पर अध्ययन दे कि फांसी के किया जाए। दुनिया ने 97 देशों में मौजूद अलग अलग दशों में जहाँ गैनहगारों को

स्वस्थ सभी बलिंग औरत और और गलत काम से बचना है। खत्म होने पर कुछ भी खाया पिया की परंपरा है यह जकात खासकर सुनते हैं। पूरे र



बड़कागांव : रम

स्वस्थ्य सभी बालिंग औरत और मर्द पर रमजान का रोजा फर्ज है। रमजान में रोजा नामाज और कुरान की तिलावत के साथ जकात और फितरा (दान और चैरिटी) देने का भी बहुत महत्व है। बुधवार को चांद नहीं दिखाई देने के बाद गुरुवार को पहला तरावीह का नमाज और शहरी के लिए लोग तैयारी करने लगे। शुक्रवार को रमजान का पहला रोजा है। रोजेदार रमजान के पवित्र महीने में अल्लाह की इबादत और रोजे रखने वाले पूरी तैयारी कर चुके हैं। इस वर्ष रोजा लगभग 14 घंटे का होगा और रोजेदार गर्मी में भूखे प्यासे रहकर अल्लाह की इबादत करेंगे। गर्मी में लगभग 14 घंटे लंबा रोजा मुस्लिमों का इम्तिहान लेगा। इस्लाम धर्म के मान्यताओं के अनुसार रमजान के बरकत वाले पवित्र महीने में अल्लाह रोजेदारों पर अपनी रहमत की बारिश करता है। यह महीना भाईचारे और इंसानियत का पैगाम भी देता है। रोजा सिर्फ दिन भर भूखा रहने का नाम नहीं बल्कि रोजा इंसान को इंसान से प्यार करना सिखाता है। हर तरह के बुरे और गलत काम से बचना है इसका मतलब हमें हमारे शारीरिक और मानसिक दोनों के कामों के नियंत्रण में रखना है। इस मुबारक महीने में किसी तरह के झगड़े या गुरुसे से ना सिर्फ मना फरमाया गया है बल्कि किसी से गिला शिकवा तो उससे माफी मांग कर समाज एकता कायम करने की सलाह दी गई है। वहीं रोजा गरीब भाई बहन से मोहब्बत करने का जज्बा पैदा करता है। भूखे प्यासे रहकर अल्लाह की इबादत करने वालों के गुनामाफ हो जाते हैं। रमजान के महीना तमाम इंसानों के दुख दूर करने की उपलब्धि है और भूखे प्यास को समझने के महीना है ताकि रोजेदारों में भले बुक्की की समझने की शक्ति उत्पन्न हो। इस दौरान गरीब और मजलूम को मदद करना भी रमजान की आदत है। इसमें जरूरतमंदों को मदद करना इस्लाम मजहब का संदेश है।

क्या है सेहरी और अफतार

रमजान के पवित्र महीने में रात के आखिरी पहर और सूरज निकलने से पहले तक खाने पीने को शहरी कहते हैं। शहरी का समग्र

खत्म होने पर कुछ भी खाया नहीं जा सकता। शाम को रुबने पर रोजा खोला जाता है। अफतार कहते हैं अफतार से शांति तक खाने पीने की छूट रहती है।

क्या है फिरता और जकारा?

इस्लाम में रमजान के पर्व महीने में हर हैसियत मंद मुसलमान पर जकात देना जरूरी बताया गया है। पूरे साल की आमदनी में बचत होती है उसका 2.5% हिस्सा किसी गरीब या ज़रूरतमंद दिया जाता है जिसे जकात कहते हैं। यानी आगर किसी मुसलमान के पास तमाम खर्च करने के बाद 100 बचता है तो उसमें 2.5% रुपए किसी गरीब को देना जसकता होता है। यूं तो जकात पूरे साल कभी भी दिया जा सकता लेकिन वित्तीय वर्ष समाप्त होने तक फाइल करने की तरह ज्यादातर लोग रमजान के महीने में ही जकात निकालते हैं। मुसलमान इस महीने में अपनी पूरी साल की कमाई का आकाश करते हैं उसमें से 2.5% फीसदी रुपए करते हैं। असल में इंद से पहले यानी रमजान में जकात अदा करना चाहिए।

की परंपरा है यह जकात खासकर गरीबों, विधवा महिलाओं, अनाथ बच्चों या किसी बीमार व कमज़ोर व्यक्ति को दी जाती है फितरा वह रकम होती है जो खाते पीते साधन संपत्र धरानों के लोग आर्थिक रूप से कमज़ोर लोगों को देते हैं। इंद की नमाज से पहले फितरा अदा करना जरूरी होता है। इस तरह साधन संपत्र लोगों के साथ गरीब जरूरतमंदों का रोजा खुशाली के साथ संपत्र हो जाता है। फितरे की रकम भी गरीबों, विधवाओं, यतीमों और सभी जरूरतमंदों को दी जाती है। इस सब के पीछे सोच यही है कि रमजान के महीने में और इंद के दिन कोई खाली हाथ ना रहे क्योंकि यह खुशी का दिन है।

क्या है तरावीह की नमाज?

रमजान के पवित्र महीने में रात की नमाज यानी इशा नमाज के बाद सामूहिक नमाज इमाम के पीछे पढ़ी जाती है। तरावीह की नमाज 20 रकात की होती है। इस नमाज में इमाम कुरान की तिलावत करते हैं और पीछे नमाज पढ़ने वाले कुरान की तिलावत को सुनते हैं। पूरे रमजान में एक खत्म कुरान को सुनना सभी मुसलमान के लिए आवश्यक है। तरावीह की नमाज सभी मुसलमान मर्द और औरत पढ़ते हैं।

रोजे का है वैज्ञानिक महत्व

वैज्ञानिक दृष्टि से रोजा रखने पर शरीर पर काफी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। रोजा रखने से शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से शरीर मजबूत होता है। रोजा रखने से शुगर, ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रोल और यूरिक एसिड का स्तर कम होता है जिससे डायबिटीज का दुष्प्रभाव, हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रॉक की संभावना कम होती है। रोजे में पाचन तंत्र को आराम मिलने से पाचन तंत्र मजबूत होता है। रोजे के दौरान या बाद में गुलकोज के भंडार खत्म होने के बाद शरीर के लिए ऊर्जा का अगला स्रोत वसा बन जाता है। जब शरीर से वसा कम होना शुरू होता है तो इस से वजन घटता है, कोलेस्ट्रोल की मात्रा घटती है और यह डायबिटीज के जोखिम को भी कम करता है।

बहादुर से बढ़ता जल सकट, द्वानिया का 1.6 अरब
आषाढ़ी को नहीं मिल रहा पीने का शुद्ध पानी

जाने लगा है। अंकड़ों के मुताबिक दुनिया में 1.6 अरब लोगों को पीने का शुद्ध पानी नहीं मिल पा रहा है। इस वजह से परेशानियां, बीमारियां, पलायन, हिंसा, सामाजिक कटूता और दूसरी विकृतियां बढ़ रही हैं। संयुक्त राष्ट्र विश्व जल विकास रिपोर्ट 2022 के मुताबिक इलालों, जलधाराओं और मानव निर्मित जलाशयों से ताजा जल की तेजी से निकासी के साथ-साथ विश्व भर में आसन्न जल तनाव और दूसरी समस्याएं बढ़ रही हैं। विश्व स्तर पर देखें तो जल का 69 प्रतिशत कृषि में, 23 प्रतिशत उद्योगों में और महज 8 प्रतिशत घरेलू कार्यों में इस्तेमाल होता है। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में जल संकट की वजह यहां जलरत से जड़ाभूजल का दोहन है। केंद्रीय भूजल बोर्ड के अनुसार भारत में सिंचाई के लिए हर साल 230 अरब घन मीटर भूजल निकाला जाता है, इस वजह से देश के कई इलाकों में भूजल का स्तर बहुत नीचे चला गया है।

इतना नीचे चला गया है कि नलकूप से पानी निकालना मुश्किल हो गया है। इसके बावजूद किसान ऐसी फसलें उगाते हैं, जिनमें पानी की खपत बहुत ज्यादा होती है। महाराष्ट्र में केला और गुजरात में कपास की उपज से मुनाफा कमाना, इसी सोच का परिणाम है। इसी तरह शीतल पेय बनाने वाली कंपनियों के भूजल के अकूल दोहन से भी कई क्षेत्रों में जल संकट गहराने की खबर है। पानी की किललत भारत सहित दूनिया के तमाम देशों में इस तरह असर डाल रही है कि यह झागड़-फसाद की बजह बन रहा है। जानकार कहते हैं कि अगला विश्व युद्ध पानी के एकाधिकार को लेकर हो सकता है। जल संकट सामाजिक समरसता, आर्थिक विकास, स्वास्थ्य संतुलन, जैव विविधता को भी प्रभावित करने लगा है। विश्वायान, बीमारियों का प्रसार, समय की वर्षादी, अधिक श्रम की जरूरत और बिजली का उत्पादन और खपत भी जल संकट की बजह से बढ़े पैमाने पर देखा जाने लगा है।

दरा दुनायास

स्वतंत्रता आदालन क जन नायक को नमन

नहान अन्दोलन के महानायक का जन्म 28 सितम्बर, 1907 को बंगा गांव लायलपुर पंजाब में हुआ। उस समय उनके पिता किशन सिंह और ताऊ व चाचा स्वतंत्रता आन्दोलन में संलिप्त होने के कारण जेलों में बन्द थे। उसी दिन वे जेल से मुक्त होकर आए। अतः दादी ने बालक का नाम भाग्यवान भगत सिंह रखा दिया। दादी का कहना था आज इस भाग्यवान ने इस परिवार को आजाद कराया है, आगे देश को आजाद कराएगा। परिवार आर्य समाजी था, इसलिए वैदिक परिवेश में लालन-पालन व प्रारम्भिक शिक्षा हुई। फिर डॉ. ए. वी. स्कूल में पढ़ने हेतु प्रवेश लिया। एक दिन अपने खिलौने पिस्तौल की आंगन में गाह रहे थे तो यह पूछने पर कि क्या कर रहे हो तो कहा बन्दूक का पेड़ लगा रहा हूं। इस पर जब बहुत सी बन्दूकें आएंगी तो साथियों को बांट दूंगा और अंग्रेजों को भगाकर देश को आजाद कराऊंगा। सन् 1919 में गांधी जी के आन्दोलन से काफी प्रभावित हुए और जलसों में जाने लगे। 13 अप्रैल, 1919 को जलियांवाला बाग में नृशंस हत्याएँ हुईं। 12 साल का बालक अमृतसर जलियांवाला बाग में पहुंच गया। खून से रंगी मुँह भर मिट्टी शीशी में भरकर घर ले आया, सुरक्षित स्थान पर रख दी और रोज पूजा करने लगा। सन् 1921 में महात्मा गांधी जी द्वारा संचालित असहयोग आन्दोलन में कूद पड़ा। चौरा-चोरी की घटना से प्रभावित होकर पढ़ाई के लिए डॉ. ए. वी. कालेज लाहौर में प्रवेश ले लिया। लाहौर क्रांतिकारी गतिविधियों का केन्द्र था। दादी अपने पौत्र का विवाह शोन्न करना चाहती थी। सगाई की तिथि निश्चित हो गई।

हात हा वह घर स भाग गए। उनका सम्पर्क चन्द्रशेखर आजाद तथा वाटुकेश्वर दत्त से हुआ। लाहौर नैशनल कॉलेज में उनका सम्पर्क यशपाल, सुखदेव, राजगुरु से हो चुका था। वे कलकत्ता गए और बम बनाने का कार्य करते रहे। वर्ष 1928 में नौजवान भारत सभा का गठन किया। सन् 1928 में साईमन कमीशन भारत आया। उसका सब जगह विरोध हुआ। लाहौर में विरोध का नेतृत्व लाला लाजपत राय ने किया। सांडर्स ने लाठीचार्ज किया। लाला जी धायल हो गए। 17 नवम्बर 1928 को शहीद हो गए। भगत सिंह ने इस मौत का बदला लेने की तानी। भगत सिंह, राजगुरु, जय गोपाल व चन्द्रशेखर आजाद पुलिस दफ्तर पर पहुंच गए और सांडर्स को आते ही गोलियों से भून दिया। सारे शहर में पुलिस तैनात कर दी गई, भगत सिंह भेष बदल कर अंग्रेज सूट, टाई, सिगार सहित मेम व नौकर के साथ ट्रेन में सवार हो गए और दूर कलकत्ता पहुंच गए। असैंबली में ड्रेड डिस्प्यूट बिल पास होना था। योजना बनाई कि विरोध किया जाए। 18 अप्रैल, 1929 को असैंबली में बम फैका। वाटुकेश्वर दत्त ने भी बम फैका व दोनों ने ऊपर की ओर गोलियां चलाई और नारा बोला 'इंकलाब जिन्दाबाद!' रिवालवर फैकर कर स्वयं को गिरफ्तार कराया। पुलिस की गाड़ी में बैठते हुए भी इंकलाब जिन्दाबाद के नारे लगाए। 4 जून, 1929 को अदालत लगी। उन्होंने बयान दिया कि बम फैकने का उद्देश्य सरकार के कान, आंख खोलना था। किसी को नुकसान पहुंचाने का नहीं। जेल में क्रांतिकारियों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं होता था। अतः भूख हड्डाल की गई। भगत सिंह ने अदालत का बहिष्कार कर दिया। एक पक्षीय फैसला हो गया, भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु को फांसी की सजा दी गई। भगत सिंह ने कहा था मेरी यह शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी। 23 मार्च 1931 को भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु को फांसी दी गई। इससे पहले सरदार अजुन सिंह, माता, पिता, चाची, भाई सब मिलने आए। उन्होंने मां को कहा, 'बेबे जी लाश लेने मत आना।' कहीं आप रो पड़ी तो लोग कहेंगे भगत सिंह की मां रो रही है। फिर उन्होंने एक क्रांतिकारी की जीवनी पढ़ी। सुखदेव, राजगुरु अपनी-अपनी कोठरी से निकल कर आए और तीनों फांसी के तक्के की ओर बढ़ गए।

सिनीडीह में हिंदू नव वर्ष, प्रभात फेरी के साथ मनाया गया

मधुबल(प्रभात मंत्र संवाददाता) : सरस्वती विद्या मंदिर सीनिडीह में चैर



शुक्रल प्रतिपदा उत्सव हर्षोत्सव के साथ मनाया गया। सर्वप्रथम छात्र छात्राओं ने मुराईह कॉलोनी में प्रभात फेरी धोप दल के साथ किया। तपत्रथ विद्यालय में आकर कार्यक्रम किए। कार्यक्रम में छात्र छात्राओं ने मधुर गीत, रामचरित्र मानस पाठ एवं धाराम गयात्रा के महत्व को बताया। प्राचार्य सुनील कुमार सिंह, पूर्व आचार्य स्माशकर सय, समिति सदस्य उत्तम गयाली, उप्राचार्य दुष्णं नंदन सिन्हा, सभी आचार्य दीदी एवं छात्र छात्राएँ उपस्थित थे।

गांधी शिल्प बाजार में उमड़ रही शहरवासियों की भीड़

धनबाद (प्रभात मंत्र संवाददाता) : धनबाद के गोलक ग्रांड में लगे गांधी शिल्प बाजार में शहरवासियों की खाली भीड़ उमड़ रही है। पिछले 3 दिनों से संचय में शिल्प के बाजार में मौसम होने पर मेले में धनबादवासियों की काफी चहल पहल रही देख के विभिन्न गजों की शानदार और अद्भुत कलाकृतियों लोगों को विभिन्न स्टॉल्स में देखने को मिल रही है। खादी के बस्त, गृह सज्जा के सामान, आर्टिफिशियल ज्वेलरी, आर्टिफिशियल फॉरेवर, बनारसी साड़ी, जूट से बने जूटी चप्पल, मधुबली पैटिंग, बांस के उत्पाद, बिल्स क्राफ्ट, लकड़ी से बने आकर्षक कलाकृति इत्यादि हस्तशिल्प निर्मित उत्पाद लोगों को बहुत खा रहे हैं। लोग इन देशी कलाकृतियों की खोजेंगे कर रहे हैं। मेला का लुक्क उत्तम एवं लोगों में कहा की खोजकरों के नये-नये क्रिएटिविटी ऐसे ही मेले में देखने को मिलती है तथा नई और पारंपरिक चीजों को देखने खोजने का मौका भी मिलता है। शिल्पकारों ने कहा धनबादवासी उक्त उत्पादों को काफी पसंद कर रहे हैं। मेला के शुरुआत में खराब मौसम की वजह से उन लोगों का आवाहान कम हुआ जिससे बिकों कम था। लोगों की भीड़ बढ़ने से अब लोग नई-नई कलाकृतियों देख रहे हैं, पसंद कर रहे हैं और बिक्री हो रही है तथा आमदानी संतोषजनक है। गांधी शिल्प बाजार, विकास आयुक (हस्तशिल्प), बस्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रयोगीत है। ऑल इंडिया परिवर्तन सेवा समिति इसके आयोजक हैं। यह बाजार सुबह 11 बजे से रात 9 बजे तक संचालित है। इसमें एकी छी है।

सीनियर नेशनल महिला फुटबॉल टीम की हुई घोषणा, धनबाद की दो लड़कियां चयनित

धनबाद (प्रभात मंत्र संवाददाता) : भिलाई छत्तीसगढ़ में आयोजित होरो 27 सीनियर क्रूमें नेशनल फुटबॉल चैम्पियनशिप खेलने जा रही आराखंड महिला टीम की सिंजुआ स्ट्रेंडिंग धनबाद में चल रही है। टीम की खोजेणा आराखंड फुटबॉल संघ के महासचिव गुलाम रज्जानी ने की और सभी खिलाड़ी को खेल का कीट प्रदान किए। एवं चैम्पियन होकर आने का शुभकामनाएं दिए। मैके पर आशीर्वाद बोस, मुद्रुल बोस, कैप प्रभारी उदय मिश्र, कोल फुटबॉल अकैडमी के सचिव सतीश सिंह, मिशन चौहान आदि उपस्थित थे। टीम मैनेजर रिकी सोरेन, हेड कोच गोविंद शाह, सहायक कोच सुभाष लोधी, फिजियोथेरेपिस्ट आनंदिता बोस को बनाया गया। टीम में अंजलि मुंदा, जाशन बारा, संध्या टोपे (गोलकीपर), सीमा किसोट्टा, प्रीता लकड़ा, प्रिया साड़ि, विश्वा मूर्ण धनबाद, नील कुसुम लकड़ा, चमोनी कुमारी, अंजलि गाड़ी (डिफेंडर), डोली कुमारी, कामल कुमारी, लक्ष्मी मार्डी, सिलगी कुमारी, संगीता कुमारी (मिडफील्डर), आरा कुमारी (धनबाद), सुष्मिता कुमारी, ममता कुमारी, कुसमा किसोट्टा, अल्पना कुरुज, ललिता कुमारी (धनबाद), रोशनी तिमा (फॉर्वर्ड) है।

रेलवे स्टेशन परिसर के समीप हुआ वृक्षारोपण कार्यक्रम

धनबाद (प्रभात मंत्र संवाददाता) : धनबाद रेलवे स्टेशन परिसर के आसपास वृक्षारोपण कार्यक्रम अधियान चलाया गया। रोपे गए पौधों की संख्या 106 है। पर्यावरण के उत्तरान को समाप्त कर इसकी उपलब्धता में बढ़िया करने के उद्देश्य के लिए धनबाद रेल मंडल समय समय पर इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करता है। इससे रेकर्डोंमें के साथ ही आमजनों में पर्यावरण को बचाने हेतु सेवा पी भी जाता है।

चेन पुलिंग कर ट्रेन को रोकने गालों की धर-एकड़ के लिए पूर्व मध्य रेल द्वारा चलाया जा रहा है ऑपरेशन "समय पालन"

प्रभात मंत्र संवाददाता

हाजीपुर : पूर्व मध्य रेल द्वारा बिना पायास कारण अवैध रूप से चेन पुलिंग करके रेल गाड़ियों को जहां-तहा रोकने वालों के खिलाफ नियमित करावाई की जाती रही है।

इसी प्रकार पूर्व मध्य रेल के सुरक्षा बलों द्वारा ऑपरेशन "समय पालन" के द्वारा लोगों पर कड़ी नियमित रखी जा रही है ताकि देने अनावश्यक रूप से विलंब ना हो।

इस विशेषअधियान में चिल्ले 06 दिनों में रेलवे सुरक्षा बल की टीम द्वारा पूर्व मध्य रेल के विभिन्न रेलखंडों में बिना उचित कारण के चेन पुलिंग करके आपरेशन में काम करता है। लंबी दूरी वाली गाड़ियों के सफर करने वाले यात्री एपीपी के कारण और चेन पुलिंग करने के आरोप में 161 लोगों को हिसास दिया गया।

यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर पूर्व मध्य रेल द्वारा यह अधियान अधिनियम की धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

धारा 141 के तहत

